

## वाक्य-विचार

वाक्य-

शब्दों का सार्थक समूह वाक्य कहलाता है,

अर्थात् जब दो या दो से अधिक शब्द मिलते हैं और पूरे अर्थ का बोध कराते हैं, वाक्य कहलाता है।

जैसे- कृष्ण वाँसुरी बजाता है। राधा गाना गाती है।

विशेष- भावार्थ के आधार पर भाषा की सबसे छोटी इकाई वाक्य होता है।

वाक्य के भेद:-

- ① → प्रयोग/रचना के आधार पर
- ② → अर्थ के आधार पर

① प्रयोग/रचना के आधार पर वाक्य के भेद:-

- ① → सरल वाक्य
- ② → संयुक्त वाक्य
- ③ → मिश्र वाक्य

## राज्य के अंग-दो

① → उद्देश्य

② → विधाय

जैसे- इमन पुस्तक पढ़ता है। करिश्माने पत्र लिखा।



② विद्येय-

कर्ता और कर्ता के विस्तारक के द्वारा जो कुछ कुछ / किया जाता है, उसे विद्येय कहते हैं, अर्थात् क्रिया, क्रिया का विस्तारक, कर्म, कर्म का विस्तारक, पूरक और पूरक का विस्तारक विद्येय कहलाता है।

जैसे-

कृष्ण बाँसुरी बजाता है। विद्येय  
उद्देश्य

मेरा भाई राम

↓

कर्म का

विस्तारक

धार्मिक पुस्तकें बहुत पढ़ता है।

↓

कर्म का

विस्तारक

↓

कर्म

↓

क्रिया का

विस्तारक

↓

क्रिया

उद्देश्य

विधेय

झागरा का नाजमहल

↓

कर्म का विस्तारक

↓

कर्म

उद्देश्य

दर्शनीय स्थल है।

↓

पूरक का

विस्तारक

↓

पूरक

विधेय

प्रयोग/रचना के आधार पर वाक्य - तीन भेद

① सरल वाक्य -

जब किसी वाक्य में एक उद्देश्य और एक विधेय हो, पूरा वाक्य एक ही प्रवाह में आसानी से बोझ दिया जा सके, सरल वाक्य कहलाता है।

जैसे - अमित फुलबॉल खेलता है। मोनिका गाना गायी है।  
           ↓                  ↓                  ↓                  ↓  
       उद्देश्य      विधेय          उद्देश्य      विधेय



हवा का तीव्र झोंका सबकुछ उड़ा ले गया।

उद्देश्य

विद्येय

रोगी को दवा पीते ही उल्टी हो गई।

पिताजी के स्टेशन पहुँचते ही गाड़ी धूल गई।

अमित के विद्यालय पहुँचते ही घंटी बज गई।

मेहन और सोहन क्रिकेट खेल रहे हैं।

उद्देश्य

विधेय

सीमा, रीमा और नीमा गाना सुन, गा और सुना रही हैं।

उद्देश्य

विधेय

हरीश अपने भाई के साथ विदेश घूमने जा रहा है।

नीहारिका अपनी माँ के साथ ननिहाल जा रही है।